पीएम मोदी के आवाहन के है कई वैज्ञानिक पहलू

शुभं करोति कल्याणं आरोग्यं धनसंपदाम। शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते

उमेश यादव

देवा (अमर भारती ब्यूरो)। आज कोरोना ने सम्पूर्ण मानवता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है !प्रधानमंत्री मोदी ने सामूहिक शक्ति प्रदर्शन के लिये जनता कर्फ्यू, उसके बाद लॉक डाउन और अब 5 अप्रैल 2020 को 9 बजे रात को 9 मिनट के लिये बिजली बंद करने के उपरांत दीपक जलाकर, मोमबत्ती या मोबाइल की लाइट जलाकर सामूहिक शक्ति प्रदर्शन कर देश-वासियों से जहाँ एक नई रोशनी की आस लगाई जा रही है,वहीं दूसरी तरफइससे लोगो में एकता का अटूट प्रदर्शन होगा जिस शक्ति से कोरोना हारेगा। महानिदेशक, स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेस व वैदिक विज्ञान केन्द्र, लखनऊ के अध्यक्ष प्रोफेसर भरत राज सिंह बताते है कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ब्रह्मांड में तमाम घटनाएं ऐसी है जिसमें हम यदि ग्रहों की संख्या देखें तो वह 9 हैं। प्रत्येक ग्रह की 12 राशियां होती हैं। जिसके अनुसार कुल संख्या 108 आती है और योग 9 आता है। वही ज्योतिष के अनुसार 27 नक्षत्र होते हैं और प्रत्येक नक्षत्र के 4 चरण होते हैं, इसकी संख्या भी 108 आती है, और योग भी 9 आता है।यही नहीं आकाश-गंगा के तारों की संख्या 108 है, जिसका भी योग 9 होता है तथा समुंद्र मंथन में 54 देव और 54 असुरों द्वारा अमृत कलश निकला था, जिसका योग 9 आता है। रुद्राक्ष व तुलसी की मालाओं में मनिकाएं भी 108-108 होती है, जिनका योग भी 9-9 आता है। यह संयोग नहीं कहा जा सकता है।इन सबका ब्रह्मांड में महत्व है। सम्पूर्ण ब्रह्मांड गतिशील है और परम शक्ति से ओत-प्रोत है। इसी प्रकार ज्योतिष की कडी में 5 अप्रैल का योग (54=9) है तथा 9 बजे सायं और 9 मिनट उजाला करना सभी का योग =(999=27) जो पुनः 9 अंक बना रहा है और शुभ लक्षण दिखा रहा है कि कोरोना पर मानवता की विजय होगी, उसी क्रम में, वैज्ञानिक पहलू पर

विचार करना अत्यंत आवश्यक है। इसका वैज्ञानिक पहलू यह है कि जहां मानव द्वारा प्रकृति में किये जा रहे अप्रत्याशित छेड-छाड से ब्रह्मांड पर अत्यधिक बुरा असर पड चुका है और प्रदूषण ने तो पूर्ण मानवता को भी नष्ट करने के कगार पर ला दिया है। जो मनुष्य के द्वारा धरती के अवयवों को अप्रत्याशित ढंग से दोहन अथवा नष्ट करने से हुआ है।विगत दो-वर्षो से यह देखा जा रहा है कि हवा व ध्वनि प्रदूषण विश्व भर में अप्रत्याशित रूप से बढ गया है और विश्व के 20-अधिकतम प्रदूषित शहरों में से 16 शहर तो भारतवर्ष के हैं,जहाँ वायु प्रदूषण इंडेक्स-2.5 जो 490 से 589 तक पहुच चुका था। इस वर्ष तो इसकी चरम सीमा लोगों द्वारा अनुभव किया जा रहा था कि जैसे हम सभी गैस-चौम्बर में सांसे ले रहे हो।इससे बीमारी की अधिकता भी बढी हुई पायी गई और मृत्यु दर में भी बढोत्तरी पायी गयी।हमें यह जानकर खुशी होगी कि आज लखनऊ का ए.क्यू.आई. इंडेक्स-59 है, जबकि यही 22 मार्च 2020 को लखनऊ में 187 था।मोदीजी के 5 अप्रैल 2020 के प्रयास से, जहां भारतवर्ष की प्रतिदिन की उत्पन्न विजली 11,84,672 मेगा यूनिट है उसमें मात्र 9-मिनट में ही लगभग 7,450 मेगा यूनिट की बचत होगी और वही स्वास्थ्य के लिये हवा और शुद्ध होकर कोरोना महामारी संक्रमण को भी समाप्त करने में मदद मिलेगी। वही दूसरी तरफ दुनिया भर में विभिन्न परंपराओं और संस्कृतियों में तेल के दीपक जलाना एक हिस्सा था, जब तक कि बिजली की रोशनी लोकप्रिय नहीं हुई। सबसे पहले ज्ञात तेल का दीपक लगभग 4500 से 3300 ईसा पूर्व के चालकोलिथिक युग में उपयोग में लाये जाने का जिक्र है। आज उनका उपयोग केवल कुछ घरों व त्योहारों तक सीमित है। अथवा अब केवल किसी अपील के साथ जुडा है ।यद्यपि इसका उद्धरण संस्कृत के मंत्रो में मिलता है। शुभं करोति कल्याणं आरोग्यं धनसंपदाम। शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते, दीपक की रोशनी आरोग्य बनाती है और धन-धान्य से परिपूर्ण करके शुभ कल्याण करता है।इससे शत्रु का विनाश, और बुद्धि के विकास में दीप- ज्योति मदद करती है।पाप को हराने वाली दीप ज्योति परब्रम्ह जो सभी पापों को हरण करती है, इसे नमस्कार करते है ।तेल के दीपक को जलाने के कुछ फायदे हैं।कुछ वनस्पति तेलों का उपयोग, विशेष रूप से यदि आप दीपक को जलाने के लिए सरसों का तेल, तिल का तेल, अरंडी का तेल या घी का उपयोग करते हैं, तो एंटी-ऑक्सीडेंट ग्रापीन ऑक्साइड उत्पन्न होता है, जिससे जर्म, बैक्टीरिया के कण, सूक्ष्म कीड़ें आदि नष्ट हो जाते हैं।यह नकारात्मकता को समाप्त करता है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का अपना क्षेत्र पैदा होगा।अब जब भारत की 130 करोड़ जनता द्वारा यदि तेल अथवा घी का 9-9 दिया, 9-मिनट तक जलाये जायेंगे तो उससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर सकारात्मक ऊर्जा पैदा होगी।अतः प्रधान-मंत्री नरेंद्र मोदी के 5 अप्रैल 2020 को रात 9 बजे 9-दीपक जलाकर सामूहिक शक्ति प्रदर्शन कर कोरोना महामारी संक्रमण पर विजय प्राप्त करने हेतु बहुत बडा सकारात्मक असर पडेगा ।